



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 4-2026] CHANDIGARH, TUESDAY, JANUARY 27, 2026 (MAGHA 7, 1947 SAKA)

General Review

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़ की वर्ष 2022-23 वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

दिनांक 6 जनवरी, 2026

क्रमांक 8/23-2024-Pura/29.— पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा, पुरातात्विक अनुसंधान, उत्खनन, अन्वेषण और राज्य की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए एक अग्रणी विभाग है जो 1972 में स्वतंत्र रूप से निदेशालय के रूप में उद्भव हुआ। यह विभाग राजकीय संग्रहालय एवं क्षेत्रीय संग्रहालयों की स्थापना हेतु भी प्रयासरत है। विभाग राज्य की प्राचीन पुरातात्विक सम्पदा से जन सामान्य को परिचित कराने हेतु समय-समय पर प्रदर्शनियों का आयोजन करता है और प्राचीन मूर्तियों के प्रतिरूप बनाकर कम से कम लागत मात्र मूल्य पर बेचता है।

वर्ष 2022-23 के लिए 23.28 करोड़ रुपये प्लान साईड तथा राशि 3.71 करोड़ रुपये नोन-प्लान पक्ष एवं 15 करोड़ रुपये केपिटल पक्ष पर योजना परित्यक्त था। जिसमें से अधिकतम राशि का प्रयोग संग्रहालय निर्माण तथा स्मारकों/स्थलों के संरक्षण कार्य पर खर्च करने के लिए जारी किया गया था। राशि का उपयोग संरक्षण कार्य और संग्रहालय स्थापना के कार्य पर खर्च किया गया है।

विभाग द्वारा राज्य सुरक्षित स्मारक छत्ता राय बालमुकुंद दास, नारनौल, मिर्जा अली जान की तख्त एवं बावड़ी, नारनौल में संरक्षण कार्य लोक निर्माण विभाग, हरियाणा के माध्यम से करवाए जा रहे हैं जिनके लिए क्रमशः 340 लाख, 195 लाख राशि उपरोक्त कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग, हरियाणा के खाते में जमा की गई। विक्टोरिया मेमोरियल हॉल करनाल का संरक्षण कार्य भी करनाल स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। विभाग अभी शैख तैयब का मकबरा और ब्रिक बावली कैथल, देहरा मंदिर नूंह, लाल गुम्बद सोहना के संरक्षण की तैयारी कर रहा है, जो अभी प्रक्रिया में है।

विभाग हरियाणा के विभिन्न स्कूलों में हेरिटेज कॉर्नर स्थापित करने के बारे में एक परियोजना शुरू है, ताकि हरियाणा के छात्रों को विरासत के बारे में जागरूक किया जा सके। सामग्री की अवधारणा और प्रदर्शन को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदित किया गया है।

विभाग द्वारा 164 सोने के सिक्के, 2 टूटे हुए सोने के सिक्के, एक पिघले सोने की गांठ पुलिस स्टेशन इंद्री, करनाल तथा 4 तांबे के सिक्के गांव मानपुर जिला पलवल से प्राप्त किए गए। 45 चांदी के सिक्के समालखा, पानीपत से प्राप्त किए गए। 9वीं शताब्दी का एक स्तम्भ गुजर प्रतिहार रोहराय पुलिस स्टेशन कोसली जिला रेवाड़ी से प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त 485 सोने के सिक्के जो मुगल सम्राट मुहम्मद शाह के कार्यकाल (1719-1748 AD) के हैं, उपायुक्त करनाल के माध्यम से प्राप्त किए गए।

दिनांक 8 अगस्त, 2025.

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़।

**REVIEW ON THE ADMINISTRATIVE REPORT OF ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS, HARYANA,
DEPARTMENT FOR THE YEAR 2022-23.**

The 6th January, 2026

No. 8/23-2024/Pura/29.— Archaeology and Museums Haryana is a premier Department for archaeological research, exploration and protection of cultural heritage of the State, it started functioning as an independent Directorate in the year 1972. The Department is also involved in setting up State and Zonal museums. The Department also organizes exhibitions from time to time and sells replicas of ancient sculptures at nominal rates so as to acquaint the general public about our ancient archaeological heritage.

Plan outlay of Rs. 23.28 Crore was sanctioned on plan side and Rs. 3.71 Crore on Non plan side and Rs. 15 Crore on capital side for the year 2022-23. Majority of this was allocated for the establishment of these museums and conservation of site and monuments.

The conservation work at Chhatta Rai Bal Mukund Dass, and Mirja Ali Jaan's Baoli, Narnaul, Ancient Gumbad, Palwal and Deen Bandhu Sir Chhotu Ram Museum, Garhi Sampla, Rohtak are in progress through PWD (B&R), Haryana. The department has deposited an amount of Rs. 340 Lakhs, Rs. 195 Lakhs, Rs. 9.10 Lakhs and Rs. 2.76 Lakhs respectively to PWD (B&R), Haryana for the same. The conservation and beautification work of Victoria Memorial Hall, Karnal is being executed through Karnal Smart City Limited and is in progress. The department is planning to start conservation of Sheikh Tayyab Ka Maqbra at Kaithal, Brick Baoli at Kaithal, Dehra Mandir at Nuh and Lal Gumbad at Sohna.

The department has also initiated a project in collaboration with Directorate of School Education, Government of Haryana that focuses on developing Heritage sensitivity and awareness among school children. A Heritage Corner module along with Chapter on Haryana's Heritage has also been introduced.

The department took in its possession 164 gold coins, 2 broken gold coins, 1 raw melted gold recovered from police station Indri, District- Karnal and 2 copper coins from village Manpur, Palwal, 45 silver coins of colonial period were collected from Samalkha, District- Panipat. A stone pillar of 9th century CE is Gujjar Pratihara period has also been recovered from Rohrai Police Station Kosli, District- Rewari.

The 8th August, 2025.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department, Chandigarh.

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़ की वर्ष 2023-24 वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

दिनांक 6 जनवरी, 2026

क्रमांक 8/23-2024-Pura/29.— पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा, पुरातात्विक अनुसंधान, उत्खनन, अन्वेषण और राज्य की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए एक अग्रणी विभाग है जो 1972 में स्वतंत्र रूप से निदेशालय के रूप में उद्भव हुआ। यह विभाग राजकीय संग्रहालय एवं क्षेत्रीय संग्रहालयों की स्थापना हेतु भी प्रयासरत है। विभाग राज्य की प्राचीन पुरातात्विक सम्पदा से जन सामान्य को परिचित कराने हेतु समय-समय पर प्रदर्शनियों का आयोजन करता है और प्राचीन मूर्तियों के प्रतिरूप बनाकर कम से कम लागत मात्र मूल्य पर बेचता है।

वर्ष 2023-24 के लिए 16.94 करोड़ रुपये प्लान साईट तथा राशि 03.89 करोड़ रुपये प्लान पक्ष एवं 15 करोड़ रुपये केपिटल पक्ष पर योजना परियोजना थी। जो कि संग्रहालय निर्माण तथा स्मारकों/स्थलों के संरक्षण कार्य पर खर्च करने के लिए जारी किया गया था। राशि को संरक्षण कार्यों और संग्रहालय स्थापना के कार्यों पर खर्च किया गया है।

विभाग द्वारा राज्य सुरक्षित स्मारक छत्ता राय बालमुकुंद दास, नारनौल, मिर्जा अली जान की तख्त एवं बावड़ी, नारनौल में संरक्षण कार्य लोक निर्माण विभाग, हरियाणा के माध्यम से करवाए जा रहे हैं जिनके लिए क्रमशः 340 लाख, 195 लाख राशि उपरोक्त कार्यों के लिए लोक निर्माण विभाग, हरियाणा के खाते में जमा की गई। विक्टोरिया मैमोरियल हॉल करनाल का संरक्षण कार्य भी करनाल स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। विभाग अभी शैख तैयब का मकबरा और ब्रिक बावली कैथल, देहरा मंदिर नूह, लाल गुम्बद सोहना के संरक्षण की तैयारी कर रहा है।

विभाग हरियाणा के विभिन्न स्कूलों में हेरिटेज कॉर्नर स्थापित करने के बारे में एक परियोजना शुरू है, ताकि हरियाणा के छात्रों को विरासत के बारे में जागरूक किया जा सके। सामग्री की अवधारणा और प्रदर्शन को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदित किया गया है।

दिनांक 8 अगस्त, 2025.

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़।

**REVIEW ON THE ADMINISTRATIVE REPORT OF ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS, HARYANA,
DEPARTMENT FOR THE YEAR 2023-24.**

The 6th January, 2026

No. 8/23-2024/Pura/29.— Archaeology and Museums Haryana is a premier Department for archaeological research, exploration and protection of cultural heritage of the State, it started functioning as an independent Directorate in the year 1972. The Department is also involved in setting up of State and Zonal museums. The Department also organizes exhibitions from time to time and sells replicas of ancient sculptures at nominal rates so as to acquaint the general public about our ancient archaeological heritage.

Plan outlay of Rs. 16.94 Crore sanctioned on plan side and Rs. 03.89 Crore on Non plan side and Rs. 15 Crore on capital side for the year 2023-24. The maximum expenditure is allocated for the establishment of these museums and conservation of site and monuments.

The conservation work at Chhatta Rai Bal Mukund Dass, and Mirja Ali Jaan's Baoli, Narnaul, Ancient Gumbad, Palwal and Deen Bandhu Sir Chhotu Ram Museum, Garhi Sampla, Rohtak are in progress through PWD (B&R), Haryana. The department has deposited an amount of Rs. 340 Lakhs, Rs. 195 Lakhs, respectively to PWD (B&R), Haryana for the same. The conservation and beautification work of Victoria Memorial Hall, Karnal is being executed through Karnal Smart City Limited and is in progress. The department is planning to start conservation of Sheikh Tayyab Ka Maqbra at Kaithal, Brick Baoli at Kaithal, Dehra Mandir at Nuh and Lal Gumbad at Sohna.

The department has also initiated a project in collaboration with Directorate School Education, Government of Haryana that focuses on developing Heritage sensitivity and awareness among school children. A Heritage Corner module along with Chapter on Haryana's Heritage has also been introduced.

The 8th August, 2025.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department, Chandigarh.